>

Title : Need to adhere to the modalities set out by the Sarkaria Commission for releasing funds to State Government.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष महोदय, अभी प्रणव बाबू का बजट पर जवाब हुआ है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि देश में केन्द्र और राज्यों के जो संबंध हैं, उनमें बहुत गहरा तनाव पैदा हो गया है। पहले राजस्व का बंटवारा फाइनैन्स कमीशन के द्वारा गाडगिल फार्मूले के तहत होता था, जो 60/40 परसैन्ट था। आप जहां से आते हैं, उसके अलावा मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बंगाल, बिहार और झारखंड आदि राज्य हैं, जो विशेषकर यूपीए सरकार के विरोधी राज्य हैं, इन राज्यों का शेयर निरंतर घट रहा है। इस बार के शेयर के अनुसार 68 परसैन्ट भारत सरकार के पास है और राज्य सरकारों को 32 परसैन्ट दिया गया है। यदि यह आठ परसैन्ट भी मिल गया होता तो गरीब सूबों का बहुत बड़ा हित होता। यह बड़ी भारी एनॉमोली है, जिस पर विस्तार से बोलने का आवश्यकता है। लेकिन जीरो ऑवर है, आप मुझे विस्तार से बोलने का वक्त नहीं देंगे।

उपाध्यक्ष महोदय : आपने संकेत दे दिया है, लोग समझ जायेंगे।

श्री शरद यादव : मैं संकेत में ही बोल रहा हूं। मैं निवेदन करूंगा कि यहां लगातार, अनवरत, निरंतर केन्द्रीय योजनाएं बढ़ रही हैं। यानी एक तरह से केन्द्रीयकरण हो रहा है और हिंदुस्तान के इतिहास में 62 वर्ष के दौरान कभी कोई मुख्य मंत्री केन्द्र सरकार की ज्यादतियों से तंग आकर भूख हड़ताल पर बैठ जाए, यह कभी नहीं हुआ। ...(व्यवधान) श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश आज ही भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं। बिहार सरकार की तरफ से बिहार चौपट और बर्बाद है, जब से बिहार का बंटवारा हुआ है, तब से बिहार की कमर टूट गई है। ...(व्यवधान)

श्री वी.नारायणसामी: आधा घंटे में उठ गया।...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): लेकिन बैठने के लिए तो मजबूर होना पड़ा।

श्री शरद यादव : मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि स्वामी जी केन्द्र सरकार लगातार, निरंतर राज्यों का पूरा टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज आदि वसूल करती है। जबकि एक नीति बनी हुई है कि यह शेयर 40/60 परसैन्ट होना चाहिए। इस बार इसे आप 25 परसैन्ट कर रहे थे, वह तो फाइनैन्स कमीशन ने रोक दिया, अन्यथा आप 25 परसैन्ट करने वाले थे। आप बताइये उन्हें 32 परसैन्ट की जगह 40 परसैन्ट यानी आठ परसैन्ट शेयर और मिल गया होता तो उन सूबों का बजट और आवश्यकताएं पूरी हो जाती।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि इस देश में जो 60/40 का शेयर आईन और संविधान के द्वारा तय है। फाइनैन्स कमीशन ने इस बार इस इसे 32 परसैन्ट कराया है. यानी कि 25 परसैन्ट के स्थान पर इसे 32 परसैन्ट करके सात परसैन्ट बढ़वाया है, नहीं तो राज्यों की बहुत दुर्गति होती। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। मेरे पास समय कम है, लेकिन संक्षेप में मेरा यही कहना है कि केन्द्र और राज्यों के बीच राजस्व का जो बंटवारा है, यह देश में तनाव पैदा करेगा, संविधान को ध्वस्त करने और बिगाड़ने का काम करेगा। इसलिए मेरी सरकार से विनती है कि सरकार इस पर शीघ्र ही ध्यान दे।...(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा): ये सभी लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप सभी लोग स्लिप्स भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने बता दिया, आप सभी लोग एसोसिएट कर लीजिए। आपका समर्थन हो गया।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :

माननीय सदस्य श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री महेन्द्र सिंह पी.चौहान,

श्री गणेश सिंह,

शेख सैदुल हक,

श्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन,

श्री मंगनीलाल मंडल,

श्री भर्तृहरि महताब,

श्री रविन्द्र कुमार पाण्डेय,

श्री अशोक अर्गल तथा

श्री वीरेन्द्र कुमार को इस विषय से सम्बद्ध किया जाता है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्रीमती जयाप्रदा जी, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अन्य किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जायेगी, सिर्फ जयाप्रदा जी की बात रिकार्ड पर जायेगी।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा (रामपुर) : महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री वी.नारायणसामी: आप लोग मेहरबानी करके मुझे सुनिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : उन्होंने बता दिया है कि मैं मंत्री महोदय को इस बारे में बता दूंगा। ये उस पर नहीं बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा : हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न और उनके खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : किसी की भी बात रिकॉर्ड में नहीं जायेगी।

...(व्यवधान)*

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी कुछ बोल रहे हैं, आप उनकी बात सुन लीजिये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, the senior Member, Shri Sharad Yadavji has raised a very important issue regarding Centre and State funding. I will convey the sentiments of the hon. Members to the hon. Finance Minister....(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ये फिर कह रहे हैं, इन्होंने बता दिया है, इन्होंने हाउस में बोल दिया है। श्रीमती जयाप्रदा जी बोलिये।

â€¦(व्यवधान)